

कंगारू मदर केअर



कंगारू मदर केअर मतलब

- अत्यंत कम वजन के नवजात बच्चों की देखभाल का एक तरीका है।
- बच्चे को माँ के स्तनों के बीच में एक दुसरे की त्वचा का सीधा स्पर्श हो, इस प्रकार रखा जाता है और सिर्फ स्तनपान दिया जाता है।
- लगभग २००० ग्राम से कम वजन के स्थिर बच्चों के लिए यह तरीका व्यवहार में लाया जाता है।
- कम वजन के नवजात बच्चों को पर्याप्त गर्मी, सम्पूर्ण आहार, रोग कीटाणुओं से सुरक्षा मिलती है।
- कंगारू माता समान देखभाल करने से प्राकृतिक लगाव का वातावरण और भावनात्मक समीपता उपलब्धकरने में लाभदायक है।
- अस्पताल से जल्दी छुट्टी हो सकती है। घर जा कर कंगारू माता समान देखभाल चालू रखनी चाहिए और नियमानुसार पुनः जांच की जाती है।
- यह तरीका स्थिर कम वजन के बच्चों के पालन के लिए आधुनिक इलाज से भी श्रेष्ठ माना गया है।



कंगारू मदर केअर की शुरुवात

- पैदा होने के बाद तुरन्त बाद बच्चे को माँ की छाती पर रखना चाहिए।
- २००० ग्राम से कम वजन के बच्चे को माता समान देखभाल की जरूरत होती है।
- प्रसूति के पश्चात यदि स्थानांतर पेटी न हो तो स्थानांतर करते वक्त बच्चे को कंगारू तरीके से भेजना चाहिए।
- १२००-१८०० ग्राम वजन के बच्चों की हालत स्थिर होने पर उनको कंगारू तरीके में रखना चाहिए।
ऐसे शिशुओं को प्रारंभ में दो-तीन घंटे कंगारू तरीके में रखना चाहिए।
- धीरे-धीरे कंगारू तरीके का समय बढ़ाना चाहिए।
- दिन-रात कंगारू तरीके में शिशु को रखने के लिए माँ और परिवार की मानसिक तैयारी होनी चाहिए।

कंगारू मदर केअर के लिए माता की तैयारी



- माँ किसी भी प्रकार के कपड़े पहन कर बच्चे को कंगारू अवस्था में रख सकती हैं जैसे कि आगे बटन वाला गाउन या पंजाबी सूट, साड़ी या शर्ट और पैंट ।
- माँ को रोज स्नान करना जरूरी है ।
- नाखून अच्छे से कटे होने चाहिए ।
- अंगूठी, घड़ी, चूड़ियाँ, चैन, धागा हाथ से निकाल कर रखना चाहिए और बाल ऊपर को बंधे होने चाहिए ।

कंगारू मदर केअर के लिए बच्चे की तैयारी



कंगारू थैली



टोपी और मोजा



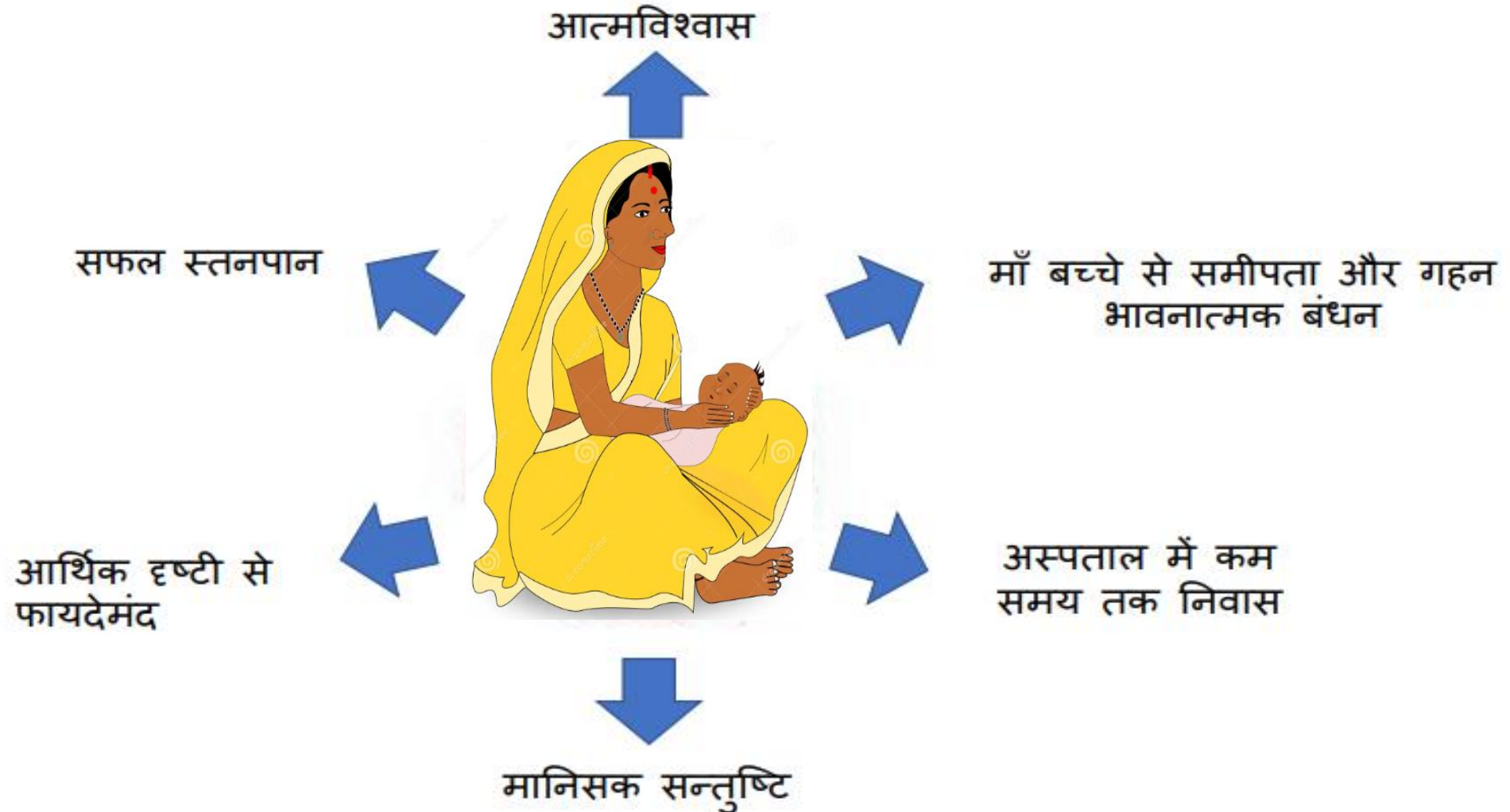
कंगारू माता समान देखभाल – बच्चे की तैयारी

कंगारू मदर केअर देने का तरीका

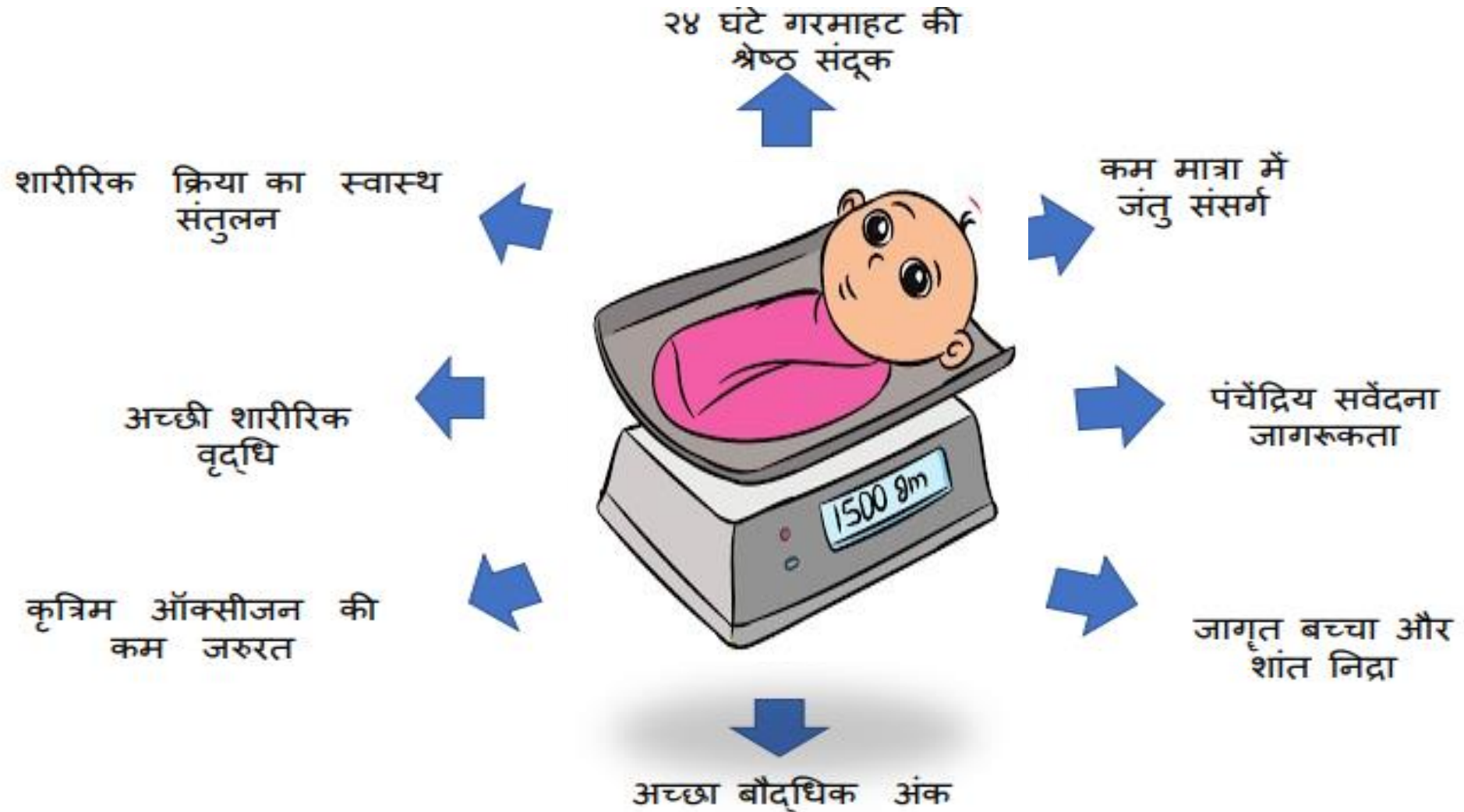


- इस तरीके में बच्चे को माँ की छाती से लगा कर दो स्तनों के बीच में एक दुसरे की चमड़ी से सीधे स्पर्श हो इस तरीके से सीधे रेखा में रखा जाता है।
- बच्चे का सर और गर्दन एक तरफ घुमा का रखते है और गर्दन थोड़ा ऊपर की तरफ मोड़ कर रखते हैं।
- बच्चे का हाथ माँ के स्तनों पर रखा जाता है और पैर मेढक के समान मुड़ी हुयी अवस्था में माँ के स्तनों के नीचे रखे जाते है।
- बच्चे की गर्दन थोड़ी सी उपर को मोड़ कर रखने से श्वशन क्रिया व्यवस्थित होती है और माँ और बच्चा एक दूसरे को देख सकते हैं।

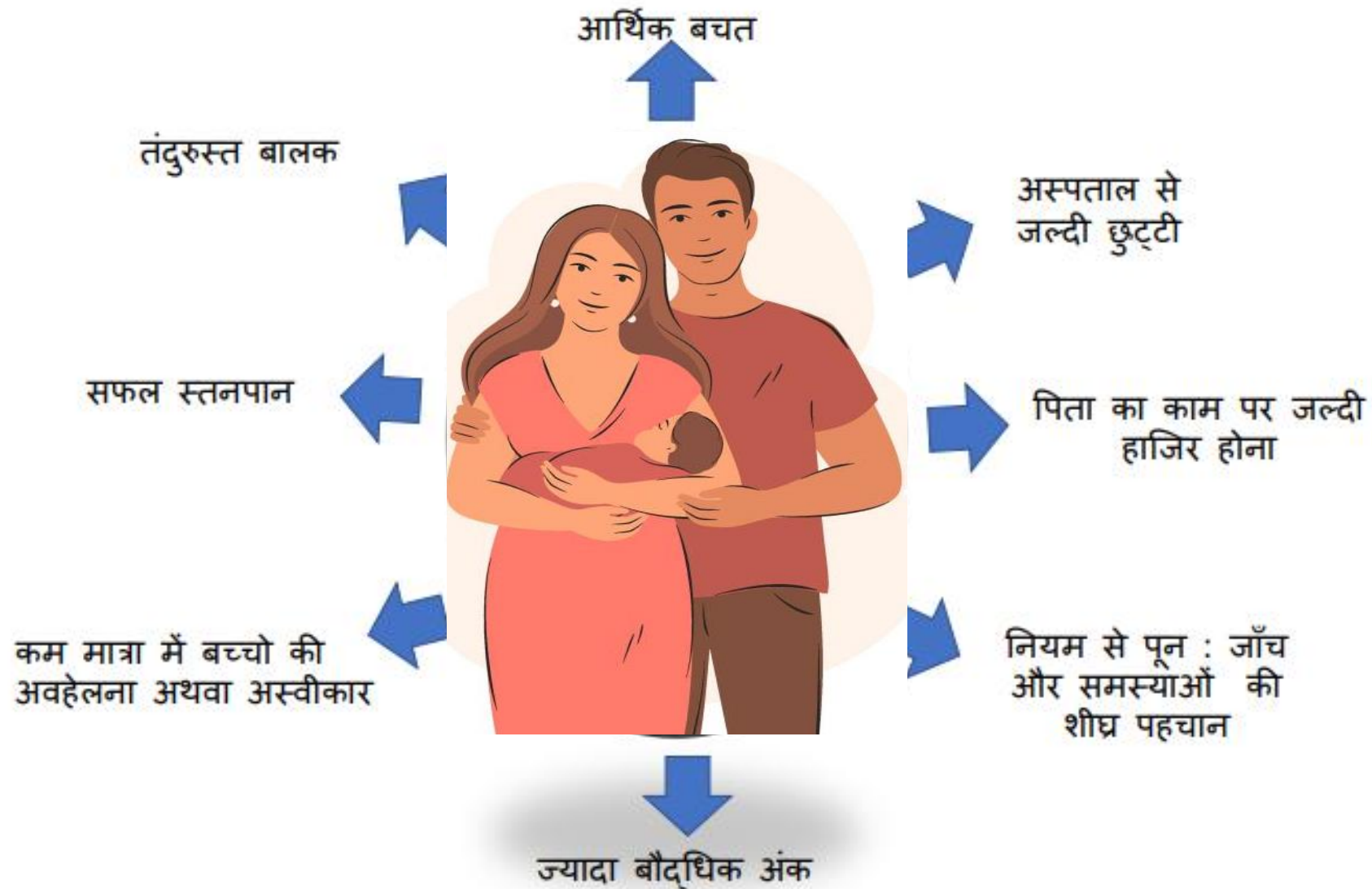
कंगारू मदर केअर से माता को होने वाले फायदे



कंगारू मदर केअर से बच्चे को होने वाले फायदे



कंगारू मदर केअर से परिवार को होने वाले फायदे



खतरे के लक्षण

- A- Apnea / सांस बंद होना या धीमी चलना
- B- Breathing difficulty / सांस लेने में तकलीफ होना या तेज़-तेज़ सांस लेना
- C- Cold hands and feet / ठण्डे हाथ पैर
- C- Convulsion / आकड़ी आना
- C- Colour / नीला, पीला, सफ़ेद
- D- Decrease feeding / दूध पीने में तकलीफ होना या दूध न खींच पाना
- D- Decrease Activity / हलचल कम होना
- H- Hypothermia / तापमान कम होना
- H- Hyperthermia / ज्वर या बुखार

माँ को खतरे का चिन्ह समझाना अति आवश्यक है

नोट : अगर बच्चे में ऊपर दिए गए खतरे की लक्षण हो तो उसे तुरंत अस्पताल लेकर जाना है।

माता के आलावा कंगारू केअर कौन दे सकता है

- घर का कोई भी सदस्य या आधार घट का कोई भी सदस्य कंगारू देखभाल दे सकता है ।
जैसे पिताजी, दादा, दादी, नाना, नानी इत्यादि ।



मुख्य संदेश

- कंगारू माता सामान देखभाल से कम वज़न के शिशुओं के लिए अत्यधिक लाभदायक है ।
- कंगारू माता सामान देखभाल से कम वज़न के शिशु का वज़न अच्छे से बढ़ता है, उसको माँ के शरीर की गर्मी मिलती है और माँ का दूध पर्याप्त रूप से पी सकता है ।
- कंगारू माता सामान देखभाल से शिशु का बिमारियों से बचाव होता है, उसका शारीरिक और बौद्धिक विकास सही प्रकार से होता है और माँ और शिशु में भावनात्मक सम्बन्ध स्थापित होता है ।
- घर का कोई भी सदस्य कंगारू माता सामान देखभाल कर सकता है ।
- २४ घंटे कंगारू माता सामान देखभाल करना शिशु के लिए उत्तम है ।
- कंगारू माता सामान देखभाल से माँ और शिशु दोनों को अनेक फायदे हैं ।
- कंगारू माता सामान देखभाल शिशु का अधिकार और माँ का कर्तव्य है ।